लखनऊ के गांवों में 37,308 करोड़ से स्थापित होंगी 700 औद्योगिक इकाइयां

- प्रत्येक गांव में दस-दस इकाइयों के लिए ऋण वितरण का लक्ष्य
- डीएम बोले, औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने में आगे आएं बैंक

जासं, लखनऊ : ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के बाद राजधानी के प्रत्येक गांव में कम से कम दस औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रशासनिक कवायद तेज हो गई है। जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति (डीएलआरसी) की बैठक में प्रत्येक गांव में औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए 37308 करोड़ रुपये का ऋण वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

लखनऊ को औद्योगिक जिला बनाने की दिशा में पहल करते हुए डीएम सूर्यपाल गंगवार ने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि गांवों में औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए बैंक मदद को आगे आएं। इसी संबंध में डीएम ने शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार जैन, अग्रणी जिला प्रबंधक मनीष पाठक, नाबार्ड डीडीएम. प्रेरणा राज, भारतीय रिज़र्व बैंक के पुष्कर मिश्र के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने बैंकों से प्रत्येक राजस्व ग्राम में कम से कम 10-10 इकाइयों को ऋण हेतु चिह्नित करने का निर्देश दिया और उनके उचित प्रशिक्षण के लिए जिला उद्योग केंद्र को निर्देश दिए। इन इकाइयों की स्थापना के लिए 2024-25 के लिए कुल 37,308 करोड़ के ऋण वितरण का लक्ष्य आवंटित किया, जिसे जिले के 1100 बैंक शाखाओं द्वारा प्राप्त किया जाना है। गत वर्ष बारह हजार करोड़ का लक्ष्य था, लेकिन बैंकों ने 18000 करोड़ का लक्ष्य हासिल किया था। डीएम ने बैठक में बैंक शाखा प्रबंधकों की एक संयुक्त सभा कराने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिए और उत्कृष्ट कार्य कर रहे शाखा प्रबंधकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

कलेक्ट्रेट में जिला बैंक समिति की बैठक में डीएम सूर्यपाल गंगवार • प्रशासन